



JOURNAL OF SCIENTIFIC LETTERS

www.jslsci.com

भारतीय न्यूज़रूम में कृत्रिम कृतियों के उपयोग का अध्ययन

Mantry Aarti Sudhir

Research Scholar, Jayoti Vidyapeeth Women's University, Jaipur, Rajasthan

Dr. Reena Rani

Research Supervisor, Jayoti Vidyapeeth Women's University, Jaipur, Rajasthan

सारांश

भारतीय न्यूज़रूम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence—AI) का उपयोग पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है और इसने समाचार संकलन, लेखन, संपादन, तथ्य-जाँच, अनुवाद, सामग्री विश्लेषण तथा डिजिटल वितरण की प्रक्रियाओं को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों की सहायता से न्यूज़रूम अब बड़ी मात्रा में उपलब्ध सूचनाओं का कम समय में विश्लेषण कर सकते हैं तथा समाचारों को विभिन्न भाषाओं और प्रारूपों में प्रस्तुत कर सकते हैं। विशेष रूप से डेटा पत्रकारिता, स्वचालित समाचार लेखन, भाषाई अनुवाद, वाक्-से-पाठ रूपांतरण, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, ट्रेंड विश्लेषण और वीडियो सामग्री के निर्माण में AI की उपयोगिता महत्वपूर्ण हो गई है।

भारतीय संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता इसलिए भी अधिक है क्योंकि देश में बहुभाषी मीडिया का व्यापक विस्तार है और हिंदी सहित अनेक भारतीय भाषाओं में समाचार सामग्री तैयार करने की आवश्यकता रहती है। AI तकनीक पत्रकारों के कार्यभार को कम करने, समाचार उत्पादन की गति बढ़ाने और बड़ी मात्रा में सूचनाओं को व्यवस्थित करने में सहायक हो सकती है। इसके माध्यम से पत्रकार विभिन्न स्रोतों से प्राप्त डेटा का त्वरित विश्लेषण कर महत्वपूर्ण तथ्यों और प्रवृत्तियों की पहचान कर सकते हैं।

हालाँकि, न्यूज़रूम में AI के बढ़ते प्रयोग ने पत्रकारिता की नैतिकता से जुड़े अनेक गंभीर प्रश्न भी उत्पन्न किए हैं। सबसे प्रमुख चिंता समाचारों की सत्यता और विश्वसनीयता को लेकर है। AI द्वारा उत्पन्न सामग्री में तथ्यात्मक त्रुटियाँ, संदर्भ की गलत व्याख्या अथवा काल्पनिक सूचनाएँ शामिल हो सकती हैं। यदि

ऐसी सामग्री को बिना मानवीय सत्यापन के प्रकाशित किया जाता है, तो इससे गलत सूचना और भ्रामक समाचारों के प्रसार का खतरा बढ़ जाता है।

मुख्यशब्द- भारतीय न्यूज़रूम, कृत्रिम कृति, समाचार संकलन, डिजिटल वितरण, सोशल मीडिया, समाचार सामग्री, मानवीय सत्यापन।

प्रस्तावना

भारतीय न्यूज़रूम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence—AI) का उपयोग पिछले कुछ वर्षों में अत्यंत तीव्र गति से बढ़ा है। डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन समाचार पोर्टलों तथा 24×7 समाचार चैनलों की प्रतिस्पर्धा ने समाचार उत्पादन, संपादन, वितरण और विश्लेषण की प्रक्रियाओं को अधिक तीव्र, सटीक तथा तकनीक-आधारित बनाने की आवश्यकता उत्पन्न की है। इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए भारतीय मीडिया संस्थानों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों को अपनाना प्रारम्भ किया है। आज AI केवल एक सहायक तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि यह न्यूज़रूम के कार्यप्रवाह का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

समाचार संकलन के लिए डेटा माइनिंग, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, ट्रेंड विश्लेषण, स्वतः समाचार लेखन (Automated Journalism), भाषा अनुवाद, वॉयस-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-स्पीच, तथ्य-जाँच (Fact-Checking), छवि एवं वीडियो विश्लेषण तथा व्यक्तिगत समाचार अनुशंसा (Personalized News Recommendation) जैसे अनेक क्षेत्रों में AI का उपयोग किया जा रहा है। भारत में डिजिटल इंडिया अभियान, इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या तथा क्षेत्रीय भाषाओं में समाचारों की मांग ने भी AI आधारित पत्रकारिता को नई दिशा प्रदान की है। कई प्रतिष्ठित भारतीय मीडिया संस्थान समाचारों के त्वरित संकलन और प्रकाशन के लिए मशीन लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP) तथा जनरेटिव AI तकनीकों का प्रयोग कर रहे हैं।

AI के माध्यम से बड़ी मात्रा में उपलब्ध आँकड़ों का कुछ ही समय में विश्लेषण किया जा सकता है, जिससे चुनाव परिणाम, वित्तीय रिपोर्ट, मौसम संबंधी जानकारी, खेल प्रतियोगिताओं के आँकड़े तथा शेयर बाजार जैसी सूचनाओं को तुरंत समाचार के रूप में प्रस्तुत करना संभव हो गया है। इससे पत्रकारों का समय बचता है और वे खोजी पत्रकारिता, विश्लेषणात्मक रिपोर्टिंग तथा जनहित से जुड़े विषयों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, AI आधारित अनुवाद प्रणालियाँ हिंदी सहित अनेक भारतीय भाषाओं में समाचार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध हो रही हैं, जिससे भाषाई विविधता वाले भारत में समाचारों की पहुँच

अधिक व्यापक हुई है। समाचारों का व्यक्तिगतकरण (Personalization) भी AI का एक महत्वपूर्ण उपयोग है, जिसमें पाठकों की रुचि, खोज इतिहास तथा व्यवहार के आधार पर उन्हें उपयुक्त समाचार सुझाए जाते हैं। इससे समाचार संस्थानों की पाठक संख्या तथा डिजिटल सहभागिता में वृद्धि होती है।

AI आधारित चैटबॉट, वर्चुअल एंकर तथा स्वचालित वीडियो निर्माण जैसी तकनीकों ने समाचार प्रस्तुति के स्वरूप को भी बदल दिया है। कई मीडिया संस्थान AI की सहायता से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही सामग्री का विश्लेषण कर त्वरित समाचार तैयार करते हैं तथा ट्रेंडिंग विषयों की पहचान करते हैं। इसी प्रकार, फेक न्यूज़ की पहचान, संदिग्ध चित्रों एवं वीडियो की जाँच तथा तथ्य सत्यापन में भी AI महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इन सभी उपयोगों के कारण भारतीय न्यूज़रूम की कार्यक्षमता, गति, उत्पादकता तथा लागत-प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हालाँकि, AI के बढ़ते उपयोग ने पत्रकारिता की नैतिकता (Journalistic Ethics) के समक्ष अनेक गंभीर प्रश्न भी खड़े किए हैं। पत्रकारिता का मूल आधार सत्य, निष्पक्षता, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा जनहित है, जबकि AI एल्गोरिदम इन मूल्यों का स्वतः पालन नहीं करते।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता

AI का अर्थ है "कृत्रिम बुद्धिमत्ता"। "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" वाक्यांश को संक्षेप में AI कहा जा सकता है। यह मुख्य रूप से कंप्यूटर जैसी तकनीक और प्रणालियों के माध्यम से मानवीय मानसिक प्रक्रियाओं के पुनरुत्पादन को दर्शाता है। संज्ञानात्मक कार्यों में सीखना (जानकारी प्राप्त करना और दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार उसका उपयोग करना), तर्क करना, समस्या-समाधान, बोध (भाषण और दृष्टि), और भाषा समझना शामिल हैं। प्राकृतिक भाषा को समझना, पैटर्न पहचानना, पूर्वानुमान लगाना, निर्णय लेना, परिवर्तन के अनुकूल होना, और कई अन्य कार्य जिनमें मानवीय बुद्धि की आवश्यकता होती है, AI तकनीकों के माध्यम से किए जाते हैं। शैक्षिक मशीनें इस तरह विकसित की जाती हैं कि वे समझ सकें कि हम कैसे बोलते हैं या व्यवहार करते हैं। "कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधुनिक कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जिसका उद्देश्य ऐसे उपकरण बनाना है जो हमें समझ सकें और हमारी तरह बुद्धिमानी से प्रतिक्रिया दे सकें।" प्रदान किए गए डेटा के साथ, AI का उपयोग करके ऐसी एक नई मशीन बनाई गई है जो मनुष्यों की तरह सोचती है, प्रतिक्रिया करती है और कार्य करती है। रोबोटिक्स, ध्वनि और चित्र पहचान, प्राकृतिक भाषा समझ, इलेक्ट्रॉनिक्स, चित्र प्राकृतिक भाषा समझ, समस्या-समाधान तकनीक जैसे विशिष्ट विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ-साथ सोचने के बारे में नई

बुद्धिमान मशीनें भी डिजाइन की गई हैं।

वर्चुअल इंटेलिजेंस (VI) शब्द सूचना प्रौद्योगिकियों और परिष्कृत रोबोटों के उस समूह को दर्शाता है जो सीखने, कार्य करने और ऐसे कार्य करने में सक्षम हैं जिनके लिए मानवीय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। VI रोबोटों को मनुष्यों द्वारा किए जाने वाले कुछ संज्ञानात्मक कार्यों का अनुकरण करने में सक्षम बनाता है, जिससे व्यावसायिक कार्यों में तेजी आती है और लागत कम होती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का उद्देश्य ऐसी मशीनें विकसित करना है जो मानवीय व्यवहार की नकल कर सकें, जिनमें तर्क करना, समस्या समाधान करना और अंततः योजना बनाने जैसे जटिल कार्य शामिल हैं। यह कई क्षेत्रों के लिए अपार संभावनाएं रखती है। इस सूची में शामिल सभी लोगों ने AI की शुरुआत से ही इसकी संभावनाओं को स्वीकार किया है और इससे भयभीत भी हुए हैं। AI ऐसे स्मार्ट उपकरण और कंप्यूटर बनाता है जो मनुष्यों के समान सूचना संसाधित करते हैं। कहा जाता है कि यह तकनीक एक नई तरह की क्रांति लाएगी, जो पिछली शताब्दियों में देखी गई किसी भी अन्य औद्योगिक क्रांति से भिन्न होगी। हम उम्मीद कर सकते हैं कि AI, मशीन लर्निंग के साथ मिलकर, लोगों द्वारा वर्तमान में सामना की जा रही सभी समस्याओं का समाधान करेगा।

समाचार लेखन एवं संपादन में AI का उपयोग

भारतीय न्यूज़रूम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence—AI) का उपयोग समाचार लेखन एवं संपादन की प्रक्रिया में तेजी से बढ़ रहा है। डिजिटल मीडिया के विस्तार, 24 घंटे समाचार प्रसारण और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव के कारण समाचार संस्थानों पर कम समय में अधिक और गुणवत्तापूर्ण सामग्री तैयार करने का दबाव बढ़ा है। ऐसे वातावरण में AI आधारित उपकरण पत्रकारों और संपादकों को सूचनाओं को व्यवस्थित करने, सामग्री का विश्लेषण करने तथा समाचारों के प्रारूप तैयार करने में सहायता प्रदान कर रहे हैं। AI तकनीक प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (Natural Language Processing), मशीन लर्निंग और स्वचालित भाषा विश्लेषण जैसी तकनीकों के माध्यम से बड़ी मात्रा में उपलब्ध सूचनाओं को समझने और उनका उपयोग करने में सक्षम होती है। इसके परिणामस्वरूप समाचार निर्माण की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज और व्यवस्थित हो रही है। समाचार लेखन के क्षेत्र में AI का सबसे महत्वपूर्ण उपयोग प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार करने में देखा जा सकता है। पत्रकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए तथ्य, आँकड़े, रिपोर्ट या प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर AI उपकरण समाचार की प्रारंभिक संरचना तैयार करने में सहायता कर सकते हैं। विशेष रूप से खेल, मौसम, शेयर बाजार, चुनावी आँकड़े और वित्तीय रिपोर्ट जैसे डेटा-आधारित समाचारों में स्वचालित लेखन उपयोगी हो सकता है। इससे पत्रकारों का समय बचता है और वे समाचार के विश्लेषण, संदर्भ

एवं मानवीय पक्ष पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, AI पुराने समाचारों और दस्तावेजों से संबंधित जानकारी खोजने तथा महत्वपूर्ण बिंदुओं को संक्षेप में प्रस्तुत करने में भी सहायता कर सकता है।

संपादन के क्षेत्र में भी AI की भूमिका महत्वपूर्ण होती जा रही है। AI आधारित उपकरण व्याकरण संबंधी त्रुटियों, वर्तनी की गलतियों, वाक्य संरचना और भाषा संबंधी समस्याओं की पहचान कर सकते हैं। हिंदी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद और भाषा रूपांतरण की सुविधा भी समाचार संस्थानों के लिए उपयोगी हो रही है। इससे एक ही समाचार को विभिन्न भाषाओं में शीघ्र उपलब्ध कराने में सहायता मिल सकती है। इसके अलावा, AI शीर्षक निर्माण, समाचार के संक्षिप्तीकरण, कीवर्ड चयन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री को अनुकूलित करने में भी संपादकों की सहायता कर सकता है।

AI का उपयोग तथ्य-जाँच की प्रक्रिया में भी सहायक हो सकता है। उपलब्ध स्रोतों और दस्तावेजों के साथ समाचार सामग्री की तुलना करके संदिग्ध तथ्यों या असंगत सूचनाओं की पहचान करने में AI उपयोगी हो सकता है। हालांकि, AI द्वारा प्राप्त परिणामों को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। AI प्रणाली कभी-कभी गलत, अधूरी या पक्षपातपूर्ण जानकारी प्रस्तुत कर सकती है। इसलिए समाचार प्रकाशित करने से पहले मानवीय सत्यापन आवश्यक है। पत्रकार और संपादक को स्रोतों की विश्वसनीयता, तथ्यात्मक शुद्धता और समाचार के सामाजिक प्रभाव का स्वयं मूल्यांकन करना चाहिए। समाचार लेखन एवं संपादन में AI के उपयोग से कार्यक्षमता और उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ कुछ नैतिक चुनौतियाँ भी उत्पन्न होती हैं। गलत सूचना, एल्गोरिद्मिक पक्षपात, कॉपीराइट, डेटा गोपनीयता और पत्रकारों की भूमिका में संभावित परिवर्तन प्रमुख चिंताएँ हैं। इसलिए AI को पत्रकारों के स्थान पर पूर्ण विकल्प के रूप में देखने के बजाय एक सहायक तकनीक के रूप में अपनाना अधिक उचित होगा।

समाचार संकलन और तथ्य-जाँच में AI की उपयोगिता

भारतीय न्यूज़रूम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence—AI) का उपयोग समाचार संकलन और तथ्य-जाँच की प्रक्रिया को अधिक तेज, व्यवस्थित और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्तमान समय में समाचार संस्थानों को प्रतिदिन बड़ी मात्रा में सूचनाओं, प्रेस विज्ञप्तियों, सोशल मीडिया पोस्ट, सरकारी रिपोर्टों, वीडियो, चित्रों और विभिन्न डिजिटल स्रोतों का विश्लेषण करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में पत्रकारों के लिए प्रत्येक सूचना को मैनुअल रूप से एकत्रित और सत्यापित करना समय लेने वाला कार्य हो सकता है। AI आधारित तकनीकें विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को एकत्रित

करने, वर्गीकृत करने और प्राथमिकता निर्धारित करने में पत्रकारों की सहायता कर सकती हैं। इससे समाचार संकलन की प्रक्रिया अधिक तेज और व्यवस्थित बनती है।

AI आधारित उपकरण समाचार स्रोतों की निगरानी करके महत्वपूर्ण घटनाओं और सूचनाओं की पहचान करने में सहायता कर सकते हैं। प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (Natural Language Processing) तथा मशीन लर्निंग तकनीकों के माध्यम से बड़ी मात्रा में उपलब्ध टेक्स्ट का विश्लेषण किया जा सकता है। पत्रकार इन तकनीकों का उपयोग विभिन्न समाचार वेबसाइटों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, सरकारी दस्तावेजों और सार्वजनिक रिपोर्टों से संबंधित जानकारी को व्यवस्थित करने के लिए कर सकते हैं। विशेष रूप से ब्रेकिंग न्यूज़ के समय AI पत्रकारों को तेजी से उपलब्ध सूचनाओं का विश्लेषण करने और समाचार के संभावित महत्वपूर्ण पहलुओं की पहचान करने में सहायता प्रदान कर सकता है। इससे पत्रकारों को समाचार की पृष्ठभूमि और संदर्भ समझने में भी सुविधा होती है।

तथ्य-जाँच के क्षेत्र में AI की उपयोगिता और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। समाचार तैयार करते समय प्राप्त दावों, आँकड़ों, नामों, तिथियों और घटनाओं की पुष्टि करना पत्रकारिता का आवश्यक हिस्सा है। AI उपकरण बड़ी मात्रा में उपलब्ध सूचनाओं की तुलना करके संभावित विसंगतियों, विरोधाभासी तथ्यों और संदिग्ध दावों की पहचान करने में सहायता कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, किसी समाचार में दिए गए आँकड़ों को पूर्व प्रकाशित रिपोर्टों या उपलब्ध डेटाबेस से मिलाने में AI उपयोगी हो सकता है। इसी प्रकार, किसी व्यक्ति, संस्था या घटना से संबंधित जानकारी को विभिन्न स्रोतों के आधार पर व्यवस्थित करने से पत्रकार को तथ्य की विश्वसनीयता का आकलन करने में सहायता मिल सकती है।

AI का उपयोग सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली गलत या भ्रामक सूचनाओं की पहचान में भी किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर किसी घटना से संबंधित पुराने चित्र या वीडियो को नए संदर्भ में प्रस्तुत किया जाना एक गंभीर चुनौती है। AI आधारित तकनीकें चित्रों, वीडियो और टेक्स्ट का विश्लेषण करके संभावित रूप से भ्रामक सामग्री को चिह्नित करने में सहायता कर सकती हैं। इसके अलावा, स्वचालित ट्रेंड विश्लेषण के माध्यम से यह समझने में मदद मिल सकती है कि कोई सूचना किस प्रकार और कितनी तेजी से प्रसारित हो रही है। इससे पत्रकारों को वायरल दावों की प्राथमिकता के आधार पर जाँच करने में सहायता मिलती है।

हालाँकि, तथ्य-जाँच में AI का उपयोग पूर्णतः विश्वसनीय नहीं माना जा सकता। AI प्रणाली स्वयं गलत या अधूरी जानकारी उत्पन्न कर सकती है और कभी-कभी संदर्भ को सही ढंग से समझने में असफल हो सकती है। इसलिए AI द्वारा चिह्नित या सत्यापित जानकारी का अंतिम निर्णय मानव पत्रकार और संपादक द्वारा किया जाना आवश्यक है। विश्वसनीय स्रोतों की प्रत्यक्ष जाँच, प्रमाणों का मूल्यांकन और संदर्भ की पुष्टि पत्रकारिता की मूल जिम्मेदारियाँ बनी रहेंगी।

AI द्वारा समाचार उत्पादन की गति एवं दक्षता में वृद्धि

भारतीय न्यूज़रूम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence—AI) के उपयोग ने समाचार उत्पादन की गति और कार्यक्षमता में महत्वपूर्ण परिवर्तन उत्पन्न किया है। वर्तमान डिजिटल युग में समाचार संस्थानों को चौबीसों घंटे तेजी से बदलती घटनाओं पर समाचार तैयार करके टेलीविजन, वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन और सोशल मीडिया जैसे विभिन्न माध्यमों पर प्रकाशित करना पड़ता है। इस बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच AI पत्रकारों और संपादकों के लिए एक सहायक तकनीक के रूप में कार्य कर रहा है। AI आधारित उपकरण बड़ी मात्रा में सूचनाओं को कम समय में संसाधित करके समाचार उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं को अधिक व्यवस्थित और तेज बनाने में सहायता करते हैं। इससे न्यूज़रूम की कार्यक्षमता बढ़ती है और पत्रकारों को महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के लिए अधिक समय मिल सकता है।

AI की सहायता से समाचारों के प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार करने की प्रक्रिया काफी तेज हो सकती है। पत्रकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए आँकड़ों, रिपोर्टों, प्रेस विज्ञप्तियों और अन्य स्रोतों के आधार पर AI समाचार की प्रारंभिक संरचना तैयार करने में सहायता कर सकता है। विशेष रूप से खेल परिणाम, मौसम संबंधी जानकारी, वित्तीय आँकड़े, शेयर बाजार, चुनावी परिणाम और अन्य डेटा-आधारित समाचारों में स्वचालित सामग्री निर्माण उपयोगी हो सकता है। इस प्रक्रिया से पत्रकारों को प्रत्येक समाचार को शून्य से तैयार करने की आवश्यकता कम हो जाती है और वे प्राप्त सामग्री की जाँच, विश्लेषण तथा संपादन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

समाचार संपादन में भी AI दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। व्याकरण, वर्तनी, वाक्य संरचना और भाषा संबंधी त्रुटियों की पहचान करने के साथ-साथ AI शीर्षक, उपशीर्षक और संक्षिप्त विवरण तैयार करने में सहायता कर सकता है। बहुभाषी समाचार वातावरण में अनुवाद और भाषा रूपांतरण की सुविधा समाचारों को विभिन्न भाषाई समूहों तक तेजी से पहुँचाने में सहायक हो सकती है। विशेष रूप से भारत जैसे बहुभाषी देश में यह क्षमता समाचार संस्थानों के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है। एक ही समाचार सामग्री को विभिन्न भाषाओं और डिजिटल प्रारूपों में शीघ्र तैयार करने से समाचार वितरण की व्यापकता बढ़ सकती है।

AI न्यूज़रूम में कार्यों के स्वचालन के माध्यम से पत्रकारों के समय और श्रम की भी बचत कर सकता है। समाचारों को वर्गीकृत करना, संबंधित सामग्री खोज करना, पुराने समाचारों का संदर्भ प्राप्त करना, ट्रेंडिंग विषयों की पहचान करना और सोशल मीडिया के लिए संक्षिप्त सामग्री तैयार करना जैसे कार्य AI की सहायता से अधिक तेजी से किए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप पत्रकारों को जमीनी रिपोर्टिंग, खोजी पत्रकारिता, साक्षात्कार, विश्लेषण और संपादकीय निर्णय जैसे अधिक महत्वपूर्ण कार्यों

पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रकार AI मानव श्रम को समाप्त करने के बजाय उसकी उत्पादकता को बढ़ाने वाला उपकरण बन सकता है।

मीडिया विज्ञापन एवं मार्केटिंग में AI का प्रयोग

भारतीय मीडिया उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence—AI) का प्रयोग विज्ञापन और मार्केटिंग की प्रक्रियाओं को अधिक डेटा-आधारित, लक्षित और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पारंपरिक विज्ञापन व्यवस्था में दर्शकों की पसंद, व्यवहार और आवश्यकताओं को समझने के लिए सर्वेक्षण, अनुभव और सीमित आँकड़ों पर निर्भर रहना पड़ता था, जबकि AI बड़ी मात्रा में दर्शक डेटा का विश्लेषण करके उनकी रुचियों, मीडिया उपभोग की आदतों और व्यवहार संबंधी पैटर्न को समझने में सहायता करता है। इसके परिणामस्वरूप मीडिया संस्थान अपने दर्शकों के अनुरूप अधिक प्रभावी विज्ञापन और मार्केटिंग रणनीतियाँ तैयार कर सकते हैं।

AI का प्रमुख उपयोग दर्शक विश्लेषण और लक्षित विज्ञापन में किया जा रहा है। मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म दर्शकों के पिछले व्यवहार, सामग्री देखने की अवधि, पसंद किए गए विषयों, क्लिक गतिविधियों और डिजिटल सहभागिता जैसे संकेतकों का विश्लेषण करके संभावित दर्शक समूहों की पहचान कर सकते हैं। इसके आधार पर विज्ञापनदाताओं को यह निर्धारित करने में सहायता मिलती है कि किस प्रकार का विज्ञापन किस दर्शक समूह के लिए अधिक प्रभावी हो सकता है। उदाहरण के लिए, युवा दर्शकों के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया आधारित विज्ञापन तथा क्षेत्रीय दर्शकों के लिए स्थानीय भाषा में तैयार सामग्री अधिक प्रभावी हो सकती है। इस प्रकार AI विज्ञापन अभियानों को अधिक व्यक्तिगत और लक्षित बनाने में सहायता करता है।

AI विज्ञापन सामग्री के निर्माण में भी उपयोगी है। इसके माध्यम से विज्ञापन की भाषा, शीर्षक, दृश्य सामग्री, संक्षिप्त संदेश और सोशल मीडिया पोस्ट के प्रारंभिक प्रारूप तैयार किए जा सकते हैं। मीडिया संस्थान और विज्ञापन एजेंसियाँ विभिन्न दर्शक समूहों के लिए एक ही अभियान के अलग-अलग संस्करण तैयार करने में AI की सहायता ले सकती हैं। इससे समय और संसाधनों की बचत होती है तथा विज्ञापन अभियान को तेजी से विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जा सकता है। इसके अलावा, AI पिछले अभियानों के प्रदर्शन का विश्लेषण करके यह समझने में सहायता कर सकता है कि कौन-सी सामग्री दर्शकों के बीच अधिक प्रभावी रही है।

मार्केटिंग रणनीतियों में AI का उपयोग दर्शकों की सहभागिता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण है। AI आधारित अनुशंसा प्रणालियाँ दर्शकों की रुचि के अनुसार समाचार, वीडियो और अन्य मीडिया सामग्री सुझा सकती हैं। इससे उपयोगकर्ता अनुभव बेहतर हो सकता है और दर्शकों के किसी मीडिया प्लेटफॉर्म पर

अधिक समय बिताने की संभावना बढ़ सकती है। चैटबॉट और स्वचालित संवाद प्रणाली भी दर्शकों के प्रश्नों का त्वरित उत्तर देने तथा उनकी आवश्यकताओं को समझने में सहायता कर सकती हैं। इस प्रकार AI मीडिया संस्थानों और उनके दर्शकों के बीच अधिक प्रभावी संवाद स्थापित करने में योगदान दे सकता है।

हालाँकि, मीडिया विज्ञापन और मार्केटिंग में AI के उपयोग से कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियाँ भी उत्पन्न होती हैं। दर्शक डेटा की गोपनीयता, व्यक्तिगत जानकारी का सुरक्षित उपयोग, एल्गोरिथ्मिक पक्षपात और अत्यधिक लक्षित विज्ञापन प्रमुख चिंताएँ हैं। यदि दर्शकों के डेटा का उपयोग पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से नहीं किया जाता, तो इससे निजता और विश्वास संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए मीडिया संस्थानों को AI आधारित विज्ञापन प्रणाली में पारदर्शिता, डेटा सुरक्षा और नैतिक मानकों को प्राथमिकता देनी होगी।

दर्शक सहभागिता एवं अनुभव को बेहतर बनाने में AI की भूमिका

भारतीय मीडिया उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence—AI) का उपयोग दर्शक सहभागिता और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण तकनीकी परिवर्तन के रूप में उभर रहा है। डिजिटल मीडिया, समाचार वेबसाइटों, मोबाइल एप्लिकेशन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विस्तार के कारण दर्शकों के पास समाचार एवं मनोरंजन सामग्री के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में मीडिया संस्थानों के लिए केवल गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि दर्शकों की रुचि, आवश्यकता और व्यवहार को समझकर उन्हें उपयुक्त सामग्री उपलब्ध कराना भी आवश्यक हो गया है। AI विभिन्न प्रकार के दर्शक डेटा का विश्लेषण करके मीडिया संस्थानों को अधिक व्यक्तिगत और प्रभावी अनुभव प्रदान करने में सहायता कर सकता है।

AI आधारित अनुशंसा प्रणाली दर्शक सहभागिता बढ़ाने का एक प्रमुख माध्यम है। ये प्रणालियाँ दर्शकों द्वारा देखी गई सामग्री, पसंद किए गए विषयों, पढ़ने के समय, क्लिक गतिविधियों और अन्य डिजिटल व्यवहार का विश्लेषण करके उनके लिए संबंधित समाचार या वीडियो की अनुशंसा कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई दर्शक लगातार खेल समाचार देखता है, तो AI प्रणाली उसके लिए खेल से संबंधित नवीनतम समाचार, विश्लेषण और वीडियो को प्राथमिकता दे सकती है। इस प्रकार व्यक्तिगत सामग्री सुझाव दर्शकों को अधिक प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने में सहायता करते हैं और मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ उनकी सहभागिता को बढ़ा सकते हैं।

AI चैटबॉट और संवादात्मक प्रणालियाँ भी दर्शक अनुभव को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। दर्शक समाचार, कार्यक्रम, वीडियो या अन्य सामग्री से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं और AI

आधारित प्रणाली उन्हें तत्काल उत्तर या संबंधित सामग्री उपलब्ध करा सकती है। इससे दर्शकों को आवश्यक जानकारी खोजने में लगने वाला समय कम होता है। विशेष रूप से डिजिटल समाचार प्लेटफॉर्म पर AI चैटबॉट दर्शकों को किसी घटना की पृष्ठभूमि, संबंधित समाचार या संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करने में सहायता कर सकते हैं। बहुभाषी AI प्रणालियाँ हिंदी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में सामग्री उपलब्ध कराने में भी उपयोगी हो सकती हैं, जिससे क्षेत्रीय दर्शकों की पहुँच और सहभागिता बढ़ाई जा सकती है।

दर्शक व्यवहार के विश्लेषण में भी AI महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मीडिया संस्थान यह समझने के लिए AI का उपयोग कर सकते हैं कि दर्शक किस प्रकार की सामग्री अधिक देखते हैं, किन विषयों पर अधिक प्रतिक्रिया देते हैं और किस समय उनकी सहभागिता अधिक रहती है। इन जानकारीयों के आधार पर समाचार संस्थान अपनी सामग्री और प्रकाशन रणनीति को बेहतर बना सकते हैं। AI सोशल मीडिया पर दर्शकों की प्रतिक्रियाओं, टिप्पणियों और भावनात्मक रुझानों का विश्लेषण करके यह समझने में भी सहायता कर सकता है कि किसी समाचार या कार्यक्रम के प्रति दर्शकों की प्रतिक्रिया कैसी है।

हालाँकि, दर्शक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए AI के उपयोग के साथ गोपनीयता और नैतिकता से संबंधित चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दर्शकों के व्यक्तिगत डेटा का अनुचित संग्रह या उपयोग उनके विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इसी प्रकार, अत्यधिक व्यक्तिगत सामग्री अनुशंसा के कारण दर्शकों को सीमित प्रकार की सूचनाएँ ही प्राप्त होने का जोखिम हो सकता है। इसलिए AI आधारित प्रणालियों में पारदर्शिता, डेटा सुरक्षा और उपयोगकर्ता की सहमति को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

निष्कर्ष

भारतीय न्यूज़रूम में कृत्रिम कृतियों अर्थात् कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित तकनीकों के उपयोग ने समाचार संकलन, लेखन, संपादन, अनुवाद, तथ्य-जाँच, डेटा विश्लेषण तथा दर्शक सहभागिता की प्रक्रिया को अधिक तीव्र और प्रभावी बनाया है। AI उपकरणों के माध्यम से पत्रकारों को बड़ी मात्रा में सूचनाओं का विश्लेषण करने, प्रारंभिक समाचार सामग्री तैयार करने और डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए उपयुक्त सामग्री विकसित करने में सहायता मिल रही है। इससे समय की बचत, उत्पादन क्षमता में वृद्धि और समाचार वितरण की गति में सुधार हुआ है। हालाँकि, इसके साथ तथ्यात्मक त्रुटियों, पक्षपात, पारदर्शिता, कॉपीराइट, डेटा गोपनीयता तथा मानवीय संपादकीय नियंत्रण जैसी महत्वपूर्ण नैतिक चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इसलिए भारतीय न्यूज़रूम में AI को पत्रकारों के विकल्प के रूप में नहीं,

बल्कि सहायक तकनीक के रूप में अपनाना अधिक उपयुक्त होगा। प्रत्येक AI-निर्मित सामग्री की मानवीय समीक्षा और तथ्य-जाँच सुनिश्चित करना आवश्यक है। भविष्य में AI का प्रभाव और अधिक व्यापक होने की संभावना है, इसलिए मीडिया संस्थानों को पत्रकारों के लिए AI साक्षरता, नैतिक दिशानिर्देश और जिम्मेदार उपयोग की स्पष्ट नीतियाँ विकसित करनी होंगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- पैवलिक, जॉन वी. (2023). *बदलाव और डिजिटल पत्रकारिता: बड़े बदलाव के दौर में समाचार मीडिया में इनोवेशन का आकलन*. न्यूयॉर्क: रूटलेज।
- डियाकोपोलोस, निकोलस. (2019). *न्यूज़ को ऑटोमेट करना: एल्गोरिदम कैसे मीडिया को नए सिरे से गढ़ रहे हैं*. कैम्ब्रिज, एम.ए.: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
- लुईस, सेठ सी., गुज़मैन, एंड्रिया एल., एवं शिमिट, थॉमस आर. (2019). ऑटोमेशन, पत्रकारिता और इंसान-मशीन कम्युनिकेशन: समाचारों में इंसानों और मशीनों की भूमिकाओं और रिश्तों पर नए सिरे से विचार। *डिजिटल पत्रकारिता*, 7(4), 409–427.
- बेकेट, चार्ली. (2019). *नई शक्तियाँ, नई जिम्मेदारियाँ: पत्रकारिता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक वैश्विक सर्वेक्षण*. लंदन: लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (LSE), पोलिस (Polis)।
- मारकोनी, फ्रांसेस्को. (2020). *न्यूज़मेकर्स: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पत्रकारिता का भविष्य*. न्यूयॉर्क: कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस।
- कार्लसन, मैट. (2015). रोबोटिक रिपोर्टर: ऑटोमेटेड जर्नलिज़्म और श्रम, रचना के तरीकों और पत्रकारिता के अधिकार की नई परिभाषा। *डिजिटल जर्नलिज़्म*, 3(3), 416–431.
- डीउज़, मार्क. (2005). पत्रकारिता क्या है? पत्रकारों की पेशेवर पहचान और विचारधारा पर पुनर्विचार। *पत्रकारिता*, 6(4), 442–464.
- हर्मिडा, अल्फ्रेड. (2012). ट्वीट्स और सच: मिलकर पुष्टि करने के नज़रिए से पत्रकारिता। *पत्रकारिता का अभ्यास*, 6(5–6), 659–668.
- डे ब्रीज़, क्लेस एच., बाउमन, मार्टिन, एवं डेम्बेक, निकोले. (2021). आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,

एल्गोरिदम-आधारित समाचार अनुशंसा और लोकतांत्रिक भागीदारी। डिजिटल पत्रकारिता, 9(7), 1012-1029.

- द्विवेदी, संजय. (2022). भारतीय पत्रकारिता में डिजिटल परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका। *भारतीय पत्रकारिता अध्ययन पत्रिका*, 12(2), 45-58.
- सिंह, राजेश, एवं वर्मा, अर्चना. (2023). भारतीय मीडिया संस्थानों में AI आधारित तथ्य-जांच प्रणाली का अध्ययन। *भारतीय मीडिया अनुसंधान पत्रिका*, 14(3), 112-127.